Test Cloud

Daily करेंट अफेयर्स

09 - 10 अगस्त 2025

NATIONAL AFFAIRS

1. भारतीय रेलवे ने 354 वैगनों और 7 इंजनों के साथ 4.5 किलोमीटर लंबी एशिया की सबसे लंबी मालगाड़ी 'रुद्रस्त्र' का सफलतापूर्वक ट्रायल रन किया।

8 अगस्त, 2025 को, भारतीय रेलवे ने एशिया की सबसे लंबी मालगाड़ी 'रुद्रस्त्र' का ट्रायल रन करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। लगभग 4.5 किलोमीटर लंबी इस ट्रेन का संचालन पंडित दीनदयाल उपाध्याय (DDU) मंडल के अंतर्गत पूर्व मध्य रेलवे (ECR) द्वारा किया गया।

- **परीक्षण रन उत्तर प्रदेश के गंजख्वाजा स्टेशन से शुरू हुआ और झारखंड के गढ़वा रोड स्टेशन पर संपन्न हुआ, जिसमें 40.5 किमी/घंटा की औसत गति से 5 घंटे और 10 मिनट में 209 किलोमीटर की दूरी तय की गई।**

- **'रुद्रास्त्र' एक तकनीकी चमत्कार है, जिसमें 354 बॉक्स वैगन हैं और यह सात इंजनों द्वारा संचालित है। यह संरचना छह लंबी दूरी की रेकों को जोड़कर बनाई गई है, जिससे पाँच मालगाड़ियाँ एक इकाई में समाहित हो जाती हैं। यह संरचना एक ही बार में काफ़ी ज़्यादा भार ले जाने की सुविधा देती है, जिससे समान मात्रा में माल ढुलाई के लिए आवश्यक चक्करों की संख्या में भारी कमी आती है।**

- **ट्रेन की यात्रा नबीनगर, जपला, गढ़वा, डाल्टनगंज, बरवाडीह, लातेहार और टोरी सहित कई प्रमुख स्टेशनों से होकर गुज़री। फुलबसिया और श्योपुर कोयला साइडिंग पर, माल उतारने के लिए ट्रेन को छोटे-छोटे हिस्सों में बाँटा गया—फुलबसिया में 118 और श्योपुर में 236 वैगन। इस परिचालन रणनीति से रसद दक्षता बढ़ती है और माल उतारने का समय कम होता है।**

Key Points:-

(i) रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस परीक्षण को राष्ट्र के लिए गौरव का क्षण बताया और 'रुद्रस्त्र' को भारत की सबसे लंबी मालगाड़ी बताया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस पहल का उद्देश्य परिवहन दक्षता बढ़ाना, परिचालन समय बचाना, लागत कम करना और माल की आवाजाही में तेज़ी लाना है—खासकर DDU डिवीजन और धनबाद डिवीजन के बीच व्यस्त कॉरिडोर पर।

(ii) 'रुद्रास्त्र' का सफल संचालन DDU प्रभाग की बेहतर समन्वय और प्रबंधन क्षमताओं का प्रमाण है। यह माल परिवहन में नवाचार और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति प्रभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

(iii) भविष्य में, ऐसी अति-लंबी मालगाड़ियों के आने से कोयला परिवहन और अन्य रसद कार्यों में क्रांतिकारी बदलाव आने की उम्मीद है। रेलगाड़ियों के स्वरूप को अनुकूलित करके और फेरों की संख्या कम करके, भारतीय रेल का लक्ष्य माल ढुलाई क्षमता बढ़ाना, दक्षता बढ़ाना और देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान देना है।

2. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची 2025-26 चक्र के लिए नामांकित किया है।

अगस्त 2025 में, भारत सरकार (GoI) के संस्कृति मंत्रालय (MoC) के अंतर्गत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने प्राचीन बौद्ध स्थल "सारनाथ" को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) की विश्व धरोहर सूची में 2025-26 चक्र के लिए शामिल करने हेतु आधिकारिक रूप से नामांकित किया। यह नामांकन भारत की समृद्ध बौद्ध विरासत को वैश्विक मंच पर मान्यता दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

- **नामांकन प्रक्रिया 1972 के विश्व धरोहर सम्मेलन का अनुसरण करती है, जो प्रत्येक राज्य पक्ष को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने के लिए प्रति वर्ष केवल एक स्थल को नामांकित करने की अनुमति देता है।**

- **नामांकन से लेकर नामांकन तक की पूरी प्रक्रिया में आमतौर पर लगभग डेढ़ साल का समय लगता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि नामांकित स्थल उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य के लिए UNESCO के कड़े मानदंडों को पूरा करता है।**

- **सारनाथ का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व बहुत अधिक है क्योंकि यह उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा और वरुणा नदियों के संगम पर स्थित है। यह वह स्थान है जहाँ गौतम बुद्ध ने बिहार के बोधगया में ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना पहला उपदेश दिया था, जिससे बौद्ध समुदाय की औपचारिक शुरुआत हुई।**

Key Points:-

(i) यह स्थल दुनिया भर के बौद्धों के लिए चार सबसे पवित्र स्थलों में से एक है, नेपाल में लुम्बिनी (बुद्ध का जन्मस्थान), बोधगया (जहाँ उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ) और उत्तर प्रदेश में कुशीनगर (जहाँ उनका निधन हुआ)। सारनाथ का आध्यात्मिक महत्व इसकी पुरातात्विक समृद्धि से और भी बढ़ जाता है, जहाँ कई सदियों पुराने प्राचीन स्तूप, मठ और खंडहर मौजूद हैं।

(ii) सारनाथ को UNESCO की विश्व धरोहर सूची में नामांकित करके, भारत का उद्देश्य इस महत्वपूर्ण सांस्कृतिक स्थल का संरक्षण और संवर्धन करना है। UNESCO द्वारा मान्यता मिलने से वैश्विक जागरूकता बढ़ेगी, संरक्षण प्रयासों में तेज़ी आएगी और सतत पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए सारनाथ की विरासत को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

3. जुलाई 2025 तक आधार फेस ऑथेंटिकेशन लेनदेन बढ़कर रिकॉर्ड 19.36 करोड़ हो जाएगा, जो पिछले वर्ष की तुलना में तीन गुना है।

भारत के डिजिटल पहचान ढांचे ने जुलाई 2025 में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जब आधार चेहरा प्रमाणीकरण लेनदेन 19.36 करोड़ के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया। यह जुलाई 2024 में दर्ज 5.77 करोड़ लेनदेन से तीन गुना वृद्धि दर्शाता है, जो विभिन्न क्षेत्रों में AI-संचालित, संपर्क रहित सत्यापन के बढ़ते उपयोग को दर्शाता है।

• जुलाई 2025 में रिकॉर्ड तोड़ 19.36 करोड़ चेहरे के प्रमाणीकरण वाले लेनदेन हुए, जो जून 2025 की तुलना में 22% अधिक है, जब 15.87 करोड़ लेनदेन पहले ही उच्चतम स्तर पर पहुँच चुके थे। यह निरंतर मासिक वृद्धि सुरक्षित और कुशल सेवा वितरण के लिए आधार की बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाती है।

• राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP) सहित 150 से ज़्यादा संगठनों ने अपने कार्यों में आधार चेहरा प्रमाणीकरण को शामिल कर लिया है। कल्याणकारी योजनाओं से लेकर बैंकिंग सेवाओं तक, विभिन्न क्षेत्रों में इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है, जिससे लाभार्थियों और उपयोगकर्ताओं, दोनों के लिए निर्बाध और सुरक्षित पहुँच संभव हो रही है।

• AI-संचालित फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम को एंड्रॉइड और iOS, दोनों प्लेटफॉर्म पर काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे व्यापक पहुँच सुनिश्चित होती है। यह सुविधा विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है जिन्हें पारंपरिक बायोमेट्रिक विधियों में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि बुजुर्ग या दिव्यांग उपयोगकर्ता, जिससे समावेशी डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा मिलता है।

Key Points:-

(i) राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) और केंद्रीय भर्ती बोर्डों के अंतर्गत आने वाले सभी 850 मेडिकल कॉलेजों ने आधार फेस ऑथेंटिकेशन को अपना लिया है। यह एकीकरण शिक्षा और रोज़गार क्षेत्रों में प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करता है, पारदर्शिता बढ़ाता है और प्रशासनिक बोझ कम करता है।

(ii) अक्टूबर 2022 में इसकी शुरुआत के बाद से, आधार फेस ऑथेंटिकेशन में तेज़ी से वृद्धि हुई है, और वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक 130 करोड़ से ज़्यादा लेनदेन दर्ज किए जा चुके हैं। इस प्रणाली का तेज़ी से अपनाया जाना सुरक्षित और कुशल डिजिटल लेनदेन को सुगम बनाने में इसकी प्रभावशीलता को दर्शाता है, और इसे भारत के डिजिटल पहचान बुनियादी ढाँचे की आधारशिला के रूप में स्थापित करता है।

(iii) जुलाई 2025 में रिकॉर्ड 19.36 करोड़ फेस ऑथेंटिकेशन लेनदेन भारत की डिजिटल परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ का संकेत देते हैं। जैसे-जैसे अधिक से अधिक क्षेत्र इस तकनीक को अपना रहे हैं, आधार फेस ऑथेंटिकेशन डिजिटल युग में सेवा वितरण को बेहतर बनाने, सुरक्षा सुनिश्चित करने और समावेशिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

4. केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने भारत के समुद्री क्षेत्र में बदलाव के लिए IT कॉन्क्लेव 2025 में डिजिटल IT पहल का उद्घाटन किया।

7 अगस्त 2025 को, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW) ने केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर के साथ नई दिल्ली में आयोजित "IT कॉन्क्लेव 2025 - समुद्री क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना" में डिजिटल सूचना प्रौद्योगिकी (IT) पहलों का उद्घाटन किया। यह आयोजन दक्षता, पारदर्शिता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए उन्नत डिजिटल

उपकरणों को अपनाकर भारत के समुद्री क्षेत्र के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

• IT कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW) के अंतर्गत आने वाले नौवहन महानिदेशालय (DGS) द्वारा कंपनी ऑफ मास्टर मेरिनर्स ऑफ इंडिया (CMMI) के सहयोग से किया गया। यह कॉन्क्लेव हितधारकों के लिए अत्याधुनिक डिजिटल समुद्री तकनीकों पर चर्चा और प्रदर्शन हेतु एक मंच के रूप में कार्य करता है।

• इसका मुख्य उद्देश्य एक स्मार्ट, सुरक्षित और पारदर्शी समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण हेतु डिज़ाइन की गई डिजिटल पहलों को प्रदर्शित करना था। इन प्रयासों का उद्देश्य शासन, सेवा वितरण और हितधारक जुड़ाव को बढ़ाकर वैश्विक समुद्री क्षेत्र में भारत की स्थिति को मज़बूत करना है।

• नौवहन महानिदेशालय की वेबसाइट को भारत सरकार की वेबसाइट दिशानिर्देश (GIGW) 3.0 के अनुरूप उन्नत किया गया है। यह नया प्लेटफ़ॉर्म एक बहुभाषी, मोबाइल-अनुकूल इंटरफ़ेस प्रदान करता है जो नाविकों, जहाज़ मालिकों, प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य समुद्री हितधारकों के लिए पहुँच को बेहतर बनाता है।

Key Points:-

(i) एक प्रमुख डिजिटल पहल के रूप में क्लाउड-नेटिव ई-समुद्र प्लेटफ़ॉर्म शुरू किया गया, जो 60 से अधिक समुद्री सेवाओं को एकीकृत करता है। इस प्लेटफ़ॉर्म का उद्देश्य विभिन्न हितधारकों के लिए एक एकीकृत, डिजिटल इंटरफ़ेस प्रदान करके समुद्री क्षेत्र में सेवा वितरण को सुव्यवस्थित और शासन में सुधार करना है।

(ii) केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने समुद्री क्षेत्र के लिए नियोजित तकनीकी हस्तक्षेपों का विवरण देने वाली एक डिजिटल रोडमैप पुस्तिका भी जारी की। इस पुस्तिका में भविष्य की डिजिटल रणनीतियों की रूपरेखा दी गई है जो भारत के समुद्री बुनियादी ढांचे को और आधुनिक और कुशल बनाएँगी।

(iii) पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW) का नेतृत्व केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल (असम के डिब्रूगढ़ से) और राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर (पश्चिम बंगाल के बनगांव से) कर रहे हैं। उनका नेतृत्व भारत के समुद्री डिजिटल परिवर्तन एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है।

5. GeM ने 9वीं वर्षगांठ मनाई, वित्त वर्ष 2024-25 में ₹5.4 लाख करोड़ का सकल व्यापारिक मूल्य हासिल किया।

8 अगस्त, 2025 को, सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) ने अपना 9वां स्थापना दिवस मनाया, जिसने वित्तीय वर्ष 2024-25 में ₹5.4 लाख करोड़ का सकल व्यापारिक मूल्य (GMV) प्राप्त करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह वृद्धि डिजिटल पारदर्शिता, समावेशिता और दक्षता के माध्यम से भारत में सार्वजनिक खरीद में क्रांति लाने में GeM की बढ़ती भूमिका को उजागर करती है।

• GeM ने पिछले वर्ष के ₹4 लाख करोड़ की तुलना में GMV में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, जो सरकारी खरीदारों और विक्रेताओं द्वारा प्लेटफॉर्म को बढ़ते हुए अपनाने को दर्शाता है।

• इस प्लेटफॉर्म ने खरीद प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में तीव्र, अधिक पारदर्शी लेनदेन को सक्षम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

• अगस्त 2016 में अपनी शुरुआत के बाद से, नौ वर्षों में, GeM ने 1.5 लाख से ज़्यादा महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों, स्टार्टअप्स, स्वयं सहायता समूहों (SHG), कारीगरों और सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (MSE) को अपने साथ जोड़ा है। इस समावेशी दृष्टिकोण ने विविध विक्रेताओं को सरकारी खरीद के अवसरों तक पहुँच प्रदान करके, आर्थिक विकास और सामाजिक समानता को बढ़ावा देकर उन्हें सशक्त बनाया है।

Key Points:-

(i) भागीदारी को और प्रोत्साहित करने के लिए, GeM ने विक्रेताओं के लिए सावधानी राशि की आवश्यकता को हटाने, विक्रेता मूल्यांकन शुल्क को युक्तिसंगत बनाने और 97% ऑर्डरों को लेनदेन शुल्क से मुक्त करने जैसे सुधार लागू किए हैं। इन पहलों ने नए और मौजूदा विक्रेताओं के लिए प्लेटफ़ॉर्म को अधिक सुलभ और आकर्षक बना दिया है, जिससे विक्रेता आधार का विस्तार हुआ है और प्रतिस्पर्धा बढ़ी है।

(ii) GeM ने उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने, शासन में सुधार करने और खरीद में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और अन्य अगली पीढ़ी के डिजिटल उपकरणों सहित उन्नत प्रौद्योगिकियों को एकीकृत किया है।

(iii) इसके अतिरिक्त, GeM ने बीमा, जनशक्ति और खान विकास एवं परिचालन (MDO) जैसे नए सेवा क्षेत्रों में अपनी पेशकश का विस्तार किया है, जिससे प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सरकारी खरीद सेवाओं का दायरा व्यापक हो गया है।

6. PM मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम ने 2014 से अब तक ₹34.13 करोड़ का राजस्व अर्जित किया और बहु-प्लेटफ़ॉर्म विज़ुअल एंगेजमेंट के माध्यम से अपनी पहुँच का विस्तार किया है।

8 अगस्त, 2025 को भारत सरकार ने राज्यसभा को सूचित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात ने अक्टूबर 2014 में अपनी शुरुआत के बाद से 34.13 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। यह राजस्व बिना किसी अतिरिक्त व्यय के अर्जित किया गया है, क्योंकि यह कार्यक्रम आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) द्वारा मौजूदा इन-हाउस संसाधनों का उपयोग करके तैयार किया गया है।

• मन की बात कार्यक्रम ने अपनी शुरुआत से अब तक 34.13 करोड़ रुपये कमाए हैं, इसमें कोई अतिरिक्त व्यय नहीं हुआ है, क्योंकि इसका निर्माण आकाशवाणी द्वारा मौजूदा आंतरिक संसाधनों का उपयोग करके किया जाता है।

• यह कार्यक्रम विभिन्न पारंपरिक और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचता है, जिसमें ऑल इंडिया रेडियो के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेटवर्क, दूरदर्शन टीवी चैनल, DD फ्री डिश, यूट्यूब, प्रसार भारती का OTT प्लेटफॉर्म वेव्स और फेसबुक, X (पूर्व में ट्विटर) और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

• विविध श्रोताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए, मन की बात कार्यक्रम को कई क्षेत्रीय भाषाओं में प्रसारित किया जाता है, जिससे देश भर के स्थानीय श्रोताओं तक इसकी पहुंच सुनिश्चित होती है।

Key Points:-

(i) कार्यक्रम का दृश्य प्रारूप टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वीडियो प्रसारण और मल्टीमीडिया तत्वों को सम्मिलित करता है, जिससे आकर्षक कहानी और इंटरैक्टिव सामग्री के माध्यम से दर्शकों की अधिक से अधिक सहभागिता संभव होती है। यह दृष्टिकोण न केवल इसके दर्शकों का आधार व्यापक बनाता है, बल्कि नागरिकों के बीच सामूहिक चर्चा को भी बढ़ावा देता है, जिससे कार्यक्रम का सामाजिक प्रभाव बढ़ता है और राष्ट्रीय पहलों में सक्रिय जनभागीदारी को प्रोत्साहन मिलता है।

(ii) मन की बात कार्यक्रम को विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से विश्व स्तर पर प्रसारित किया जा सकता है, जिससे प्रवासी भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय दर्शक इस कार्यक्रम से जुड़ सकते हैं।

(iii) 3 अक्टूबर, 2014 को अपने पहले प्रसारण के बाद से, मन की बात प्रधानमंत्री मोदी के लिए भारत के नागरिकों से सीधे संवाद करने और विभिन्न मुद्दों एवं पहलों पर चर्चा करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। राजस्व सृजन में इस कार्यक्रम की सफलता और इसकी व्यापक पहुँच, जन-सहभागिता एवं संचार के एक माध्यम के रूप में इसकी प्रभावशीलता को रेखांकित करती है।

7. मंगलुरु को भारत में सबसे सुरक्षित शहर का दर्जा दिया गया, नम्बियो सुरक्षा सूचकांक 2025 में वैश्विक स्तर पर 49वां स्थान प्राप्त हुआ।

अगस्त 2025 में, मध्य-वर्षीय न्यूमबेओ सुरक्षा सूचकांक 2025 के अनुसार, मंगलुरु भारत का सबसे सुरक्षित शहर बनकर उभरा और दुनिया भर के 393 शहरों में प्रभावशाली 49वाँ स्थान हासिल किया। यह रैंकिंग कम अपराध दर, अनुशासित नागरिक प्रबंधन और अपने निवासियों व आगंतुकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए मंगलुरु के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

• मंगलुरु 74.2 के सुरक्षा सूचकांक स्कोर के साथ सभी भारतीय शहरों में शीर्ष पर रहा, जो इसकी आबादी में सुरक्षा के प्रति उच्च धारणा को दर्शाता है। यह स्कोर अपने सुरक्षा उपायों के लिए जाने जाने वाले कई महानगरीय केंद्रों से भी आगे है, जिससे मंगलुरु राष्ट्रीय संदर्भ में सबसे आगे है। यह सूचकांक अपराध के स्तर, सड़क सुरक्षा और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों में विश्वास जैसे कारकों का मूल्यांकन करता है।

• वैश्विक स्तर पर, मंगलुरु की 49वीं रैंकिंग इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे सुरक्षित शहरों में से एक बनाती है, जो इसके प्रभावी शहरी प्रशासन और सार्वजनिक सुरक्षा बुनियादी ढाँचे को उजागर करती है। यह वैश्विक मान्यता शहर की सतत और सुरक्षित शहरी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है और अपने सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत अन्य भारतीय शहरों के लिए एक मानक स्थापित करती है।

Key Points:-

(i) इस उपलब्धि में मंगलुरु की साफ़-सुथरी सड़कें, अनुशासित नागरिक व्यवस्थाएँ, सक्रिय पुलिस व्यवस्था और सामुदायिक सहभागिता पहल प्रमुख योगदानकर्ता हैं। स्थानीय सरकार के प्रयासों, जैसे कि बढ़ी हुई निगरानी, जन जागरूकता अभियान और त्वरित प्रतिक्रिया दल, ने अपराध दर में उल्लेखनीय कमी ला दी है और सुरक्षा संस्थानों में जनता का विश्वास बढ़ाया है।

(ii) मंगलुरु में सरकार और नागरिक निकाय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्मार्ट सिटी परियोजनाओं, तकनीकी उन्नयन और समावेशी सामुदायिक कार्यक्रमों में निवेश कर रहे हैं।

(iii) इस प्रतिष्ठित रैंकिंग से पर्यटन, निवेश और समग्र शहरी विकास के लिए मंगलुरु के आकर्षण को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, साथ ही नागरिकों और अधिकारियों के बीच निरंतर सतर्कता और सहयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

BANKING & FINANCE

1. बैंक ऑफ बड़ौदा और FSSAI ने अनुकूलित वेब-आधारित भुगतान समाधान शुरू करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

अगस्त 2025 में, भारत के दूसरे सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (PSB), बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) ने 'FSSAI भुगतान समाधान' नामक एक अनुकूलित वेब-आधारित भुगतान मंच लॉन्च करने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

- **इस समझौता ज्ञापन पर FSSAI के निदेशक कमांडर शरद अग्रवाल और बैंक ऑफ बड़ौदा के नई दिल्ली क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक (CGM) एवं क्षेत्रीय प्रमुख मिनी TM ने कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।**

- **'FSSAI भुगतान समाधान' का उद्देश्य FSSAI से जुड़े विभिन्न हितधारकों के लिए डिजिटल भुगतान प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके व्यापार में सुगमता को बढ़ावा देना है। इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा प्रशासन और संबंधित गतिविधियों से संबंधित वित्तीय लेनदेन में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाना है।**

- **यह प्लेटफ़ॉर्म अनुदान वितरण और विक्रेता भुगतान जैसे महत्वपूर्ण वित्तीय कार्यों को सरल और स्वचालित बनाएगा। इसके अतिरिक्त, यह प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS) की कार्यक्षमता भी प्रदान करेगा, जिससे वित्तीय निगरानी में सुधार के लिए लेनदेन की व्यवस्थित ट्रैकिंग और रिपोर्टिंग संभव होगी।**

Key Points:-

(i) इस सूचना प्रौद्योगिकी (IT)-आधारित भुगतान प्लेटफ़ॉर्म के कार्यान्वयन से राज्य बाल खातों और जिला उप-बाल खातों सहित नोडल खातों पर प्रभावी निगरानी और नियंत्रण भी संभव होगा। इससे विभिन्न प्रशासनिक स्तरों पर बेहतर वित्तीय प्रशासन सुनिश्चित होगा और जवाबदेही बढ़ेगी।

(ii) इस सहयोग के अंतर्गत बैंक ऑफ बड़ौदा व्यक्तिगत बैंकिंग, कॉर्पोरेट बैंकिंग, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, लघु एवं मध्यम उद्यम (SME) बैंकिंग, ग्रामीण बैंकिंग, अनिवासी भारतीय (NRI) सेवाएँ और ट्रेजरी सेवाओं सहित बैंकिंग सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान

करेगा। इस व्यापक सहयोग का उद्देश्य FSSAI के हितधारकों की विविध वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करना है।

2. DSP म्यूचुअल फंड ने भारत का पहला पैसिव फ्लेक्सीकैप फंड डीएसपी निफ्टी 500 फ्लेक्सीकैप क्वालिटी 30 इंडेक्स फंड लॉन्च किया।

7 अगस्त, 2025 को, डीएसपी ग्रुप की एक सहायक कंपनी, डीएसपी म्यूचुअल फंड ने डीएसपी निफ्टी 500 फ्लेक्सीकैप क्वालिटी 30 इंडेक्स फंड लॉन्च किया, जो भारत का पहला पैसिव फ्लेक्सीकैप फंड है। यह फंड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है और केवल गुणवत्ता वाले शेयरों को गतिशील बाजार पूंजीकरण आवंटन रणनीति के साथ जोड़ता है।

- **यह फंड निफ्टी 500 फ्लेक्सीकैप क्वालिटी 30 इंडेक्स की नकल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह इंडेक्स 30 उच्च-गुणवत्ता वाले शेयरों का चयन करता है, जिनमें से प्रत्येक निफ्टी 100 (लार्ज-कैप), निफ्टी मिडकैप 150 और निफ्टी स्मॉलकैप 250 सूचकांकों से 10-10 शेयर चुने जाते हैं। ये शेयर इक्विटी पर रिटर्न ROE और कम डेट-इक्विटी अनुपात जैसे गुणवत्ता कारकों के आधार पर चुने जाते हैं, जिससे पोर्टफोलियो में मज़बूत बुनियादी बातें सुनिश्चित होती हैं।**

- **फ्लेक्सीकैप फंड की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह बिना किसी निश्चित आवंटन सीमा के लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश करने में लचीलापन प्रदान करता है। यह फंड मैनेजरों या इंडेक्स पद्धति को बदलती बाजार स्थितियों के अनुसार निवेश को गतिशील रूप से स्थानांतरित करने, बाजार की गति के अनुसार रिटर्न और जोखिम प्रबंधन को अनुकूलित करने की अनुमति देता है।**

- **यह फंड हर तिमाही में स्मॉल और मिड-कैप स्टॉक्स (SMID) और लार्ज-कैप स्टॉक्स के बीच अपने निवेश को सक्रिय रूप से समायोजित करता है। यह समायोजन 200 दिनों के मूविंग एवरेज पर आधारित है, और इन सेगमेंट्स को 33% या 67% आवंटित करता है, जिससे विभिन्न मार्केट कैपिटलाइज़ेशन सेगमेंट्स में बदलते रुझानों को प्रभावी ढंग से समझने में मदद मिलती है।**

Key Points:-

(i) स्टॉक चयन के संदर्भ में, इंडेक्स इक्विटी पर रिटर्न ROE, ऋण स्तर और आय वृद्धि जैसे प्रमुख मानदंडों का उपयोग करके लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप सेगमेंट से 10-10 कंपनियों की पहचान करता है। यह मात्रात्मक दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि पोर्टफोलियो में केवल विकास की संभावना वाली वित्तीय रूप से मजबूत कंपनियों को ही शामिल किया जाए, जिससे फंड का गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित बना रहे।

(ii) फंड अपने संबंधित बाजार खंड में प्रत्येक स्टॉक को समान भारांक भी प्रदान करता है, जिससे पोर्टफोलियो में संतुलन और विविधता बनी रहती है। यह समान भारांक संकेन्द्रण जोखिम को कम करता है और यह सुनिश्चित करता है कि प्रदर्शन किसी एक स्टॉक या क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भर न हो।

(iii) निष्क्रिय होने के बावजूद, यह फंड उच्च-गुणवत्ता वाले शेयरों की पहचान करने और कम लागत पर

लार्ज, मिड और स्मॉल कैप में इष्टतम आवंटन को स्वचालित करने जैसी चुनौतियों का सामना करता है। निष्क्रिय प्रकृति का अर्थ है कि यह किसी फंड मैनेजर के सक्रिय निर्णयों पर निर्भर नहीं करता, बल्कि अंतर्निहित सूचकांक के नियमों का पालन करता है, जिससे निवेशकों के लिए लागत दक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है।

APPOINTMENTS & RESIGNATIONS

1. ज़ोमैटो ने 2023 के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता शाहरुख खान को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया।

अगस्त 2025 में, भारत के अग्रणी ऑनलाइन खाद्य वितरण प्लेटफार्मों में से एक, ज़ोमैटो ने बॉलीवुड सुपरस्टार और 2023 के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता शाहरुख खान को अपना नया ब्रांड एंबेसडर घोषित किया।

- **यह सहयोग भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रभावशाली सार्वजनिक हस्तियों में से एक के साथ जुड़कर ज़ोमैटो की मार्केटिंग उपस्थिति को मजबूत करता है।**

- **शाहरुख खान के साथ ज़ोमैटो का यह जुड़ाव ब्रांड के 'फ्यूल योर हसल' अभियान में शाहरुख खान की उपस्थिति के बाद हुआ है, जिसमें गायक और संगीतकार ए.आर. रहमान, भारतीय क्रिकेटर जसप्रीत बुमराह और ओलंपिक पदक विजेता मैरी कॉम जैसी अन्य प्रसिद्ध हस्तियाँ भी शामिल थीं। इस अभियान का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तियों की ऊर्जा और समर्पण को उजागर करना था।**

Key Points:-

(i) शाहरुख खान, जिन्हें अक्सर "बॉलीवुड का बादशाह" कहा जाता है, का एक अभिनेता, निर्माता और उद्यमी के रूप में एक शानदार करियर रहा है। उनकी फ़िल्मोग्राफी विविध शैलियों में फैली हुई है, और उन्हें उनकी बहुमुखी प्रतिभा, करिश्मा और दुनिया भर के दर्शकों से जुड़ने की क्षमता के लिए जाना जाता है।

(ii) सिनेमा के अलावा, शाहरुख खान इंडियन प्रीमियर लीग IPL फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स के सह-मालिक हैं।

(iii) कला के क्षेत्र में भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए उन्हें 2005 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था और उन्होंने कई अन्य पुरस्कारों के अलावा 14 फिल्मफेयर पुरस्कार जीते हैं, जिससे भारतीय फिल्म इतिहास में सबसे सम्मानित अभिनेताओं में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई है।

SPORTS

1. भारत की अन्नू रानी ने पोलैंड में विस्लाव मनियाक मेमोरियल में महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

6 अगस्त, 2025 को, भारत की शीर्ष महिला भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी ने पोलैंड के स्ज़ेसिन में आयोजित 8वीं अंतर्राष्ट्रीय विस्लाव मनियाक मेमोरियल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 62.59 मीटर के अपने सीज़न के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। यह एशियाई खेलों की चैंपियन के लिए शानदार वापसी का प्रतीक है।

- **अन्नू ने अपनी स्पर्धा की शुरुआत 60.95 मीटर के दमदार थ्रो के साथ की, जिसके बाद उन्होंने दिन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 62.59 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया। उन्होंने अपनी श्रृंखला का समापन 60 मीटर से भी अधिक की दूरी तय करते हुए 60.07 मीटर के एक और प्रयास के साथ किया, जिसमें उन्होंने प्रभावशाली निरंतरता का प्रदर्शन किया।**

- **इन थ्रो के साथ, एक साल से भी ज़्यादा समय में पहली बार अन्नू ने 60 मीटर का आंकड़ा पार किया, जो उनके प्रदर्शन में एक महत्वपूर्ण बदलाव था। इससे पहले उनका 60 मीटर से ज़्यादा का थ्रो मई 2024 में दर्ज किया गया था।**

Key Points:-

(i) यह प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर ब्रॉन्ज़ सीरीज़ का हिस्सा थी। इस प्रदर्शन के साथ, अन्नू इस सीज़न में दुनिया की शीर्ष 15 महिला भाला फेंक एथलीटों में शामिल हो गई हैं, जिससे विश्व रैंकिंग के ज़रिए विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाएँ मज़बूत हो गई हैं।

(ii) शीर्ष अंतरराष्ट्रीय एथलीटों की मौजूदगी वाले क्षेत्र में, अन्नू ने तुर्की की एडा तुगसुज (रजत, 58.36 मीटर) और ऑस्ट्रेलिया की लियाना डेविडसन (कांस्य, 58.24 मीटर) को पछाड़कर प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम रखा।

(iii) इस प्रतियोगिता में अन्नू का शानदार प्रदर्शन उन्हें टोक्यो में होने वाली आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए गति प्रदान करता है, जिसके लिए सीधा क्वालीफिकेशन मार्क 64.00 मीटर है। हालाँकि उन्होंने अभी तक स्वचालित मानक हासिल नहीं किया है, लेकिन उनकी बेहतर रैंकिंग और फॉर्म उन्हें भारतीय टीम के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करते हैं।

App and Web Portal

1. जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र ने ई-नाम पोर्टल के माध्यम से पहला अंतरराज्यीय कृषि व्यापार किया।

eNAM
उत्तम फसल, उत्तम इनाम

अगस्त 2025 में, जम्मू और कश्मीर J&K और महाराष्ट्र ने राष्ट्रीय कृषि बाजार eNAM पोर्टल के माध्यम से अपना पहला अंतरराज्यीय कृषि व्यापार पूरा किया, जो कृषि वस्तुओं के लिए एकीकृत राष्ट्रीय बाजार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

• इस पहल के तहत, जम्मू-कश्मीर से 11 मीट्रिक टन सेब और नाशपाती लेकर एक ट्रक सफलतापूर्वक महाराष्ट्र के पुणे में गुलटेकड़ी कृषि उपज बाजार समिति APMC तक पहुंचा, जिससे दूर-दराज के कृषि बाजारों को जोड़ने के लिए ई-नाम पोर्टल की क्षमता का प्रदर्शन हुआ।

• भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय MoA&FW द्वारा शुरू किया गया ई-नाम पोर्टल एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे पारदर्शी मूल्य निर्धारण, गुणवत्ता आश्वासन और बिचौलियों के हस्तक्षेप को कम करने के लिए देश भर में एपीएमसी को एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

Key Points:-

(i) यह पोर्टल वास्तविक समय में ऑनलाइन लेनदेन को सक्षम बनाता है, जिससे मंडियों में जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। किसानों को देश भर में भारत सरकार द्वारा सत्यापित व्यापारियों तक सीधी पहुँच प्राप्त होती है, जिससे दक्षता और बाज़ार पहुँच में सुधार होता है।

(ii) ई-नाम पोर्टल के माध्यम से यह सफल अंतरराज्यीय व्यापार डिजिटल बाजार समेकन की दिशा में भारत की प्रगति को दर्शाता है, राज्यों में कृषि व्यापार एकीकरण को बढ़ावा देता है और "एक राष्ट्र, एक बाजार" के दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

IMPORTANT DAYS

1. राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस प्रतिवर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है।

राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस हर साल 7 अगस्त को पूरे भारत में एथलेटिक्स में भारत के ऐतिहासिक क्षण का जश्न मनाने के लिए मनाया जाता है, जब नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता था। इस दिन का उद्देश्य देश भर में इस खेल को बढ़ावा देना और भविष्य के एथलीटों को प्रेरित करना है।

• भारतीय एथलेटिक्स महासंघ AFI ने नीरज चोपड़ा की ओलंपिक जीत के उपलक्ष्य में और भारत में भाला फेंक की लोकप्रियता को बढ़ावा देने के लिए 7 अगस्त 2021 को राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस घोषित किया। यह निर्णय देश भर में ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं के विकास में एक नया कदम है।

• पहला राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस 7 अगस्त 2022 को मनाया गया था। तब से, यह दिन भाला फेंक में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और खेल संस्थानों में जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण सत्र और प्रतियोगिताओं के साथ मनाया जाता रहा है।

Key Points:-

(i) हरियाणा के रहने वाले नीरज चोपड़ा ने 2014 में बैंकॉक में यूथ ओलंपिक क्वालीफिकेशन में रजत पदक जीतकर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। वह 2016 में 4 राजपुताना राइफल्स में नायब सूबेदार के रूप में भारतीय सेना में शामिल

हुए और बाद में 2018 एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में दोहरी स्वर्ण जीत के बाद सूबेदार के पद तक पहुंचे।

(ii) 2025 में, नीरज चोपड़ा ने स्विट्जरलैंड के लुसाने डायमंड लीग में 90.23 मीटर थ्रो के साथ एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। उन्हें अर्जुन पुरस्कार (2018), मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार (2021), पद्म श्री (2022), विशिष्ट सेवा पदक (2020) और परम विशिष्ट सेवा पदक (2022) सहित कई सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में 89.34 मीटर थ्रो के साथ रजत पदक भी जीता।

(iii) चौथा राष्ट्रीय भाला दिवस 7 अगस्त 2025 को मनाया जाएगा, जिसका उद्देश्य एथलीटों को प्रेरित करना और भारतीय खेलों में नीरज चोपड़ा के योगदान का सम्मान करना है। देश भर में होने वाले कार्यक्रम युवा प्रतिभाओं को निखारने और वैश्विक एथलेटिक्स में भारत की उपस्थिति को मज़बूत करने पर केंद्रित होंगे।

2. नागासाकी दिवस 9 अगस्त को परमाणु बमबारी के 80 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

नागासाकी दिवस प्रतिवर्ष 9 अगस्त को द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका USA द्वारा जापान के नागासाकी पर 1945 में किए गए परमाणु बम हमले की स्मृति में मनाया जाता है। 2025 में यह दिवस इस दुखद घटना की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाएगा, जो शांति और स्मृति को बढ़ावा देगा।

- **नागासाकी पर परमाणु बमबारी 9 अगस्त 1945 को हुई थी, हिरोशिमा पर बमबारी के ठीक तीन दिन बाद। अमेरिका के इस विनाशकारी कृत्य से भारी तबाही हुई और जान-माल का नुकसान हुआ, जिसके परिणामस्वरूप अंततः जापान को आत्मसमर्पण करना पड़ा और द्वितीय विश्व युद्ध का अंत हुआ।**

- **नागासाकी दिवस का पहला समारोह 9 अगस्त 1947 को जापान सरकार द्वारा आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य परमाणु बमबारी के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देना और दुनिया भर में स्थायी शांति के आदर्शों को बढ़ावा देना था।**

- **जापान के नागासाकी पीस पार्क में स्थित पीस स्टैच्यू प्लाज़ा में हर साल स्मारक सेवाएँ आयोजित की जाती हैं। इस स्थल पर 10 मीटर ऊँची कांस्य शांति प्रतिमा स्थापित है, जो आशा, स्मरण और परमाणु हथियारों के उन्मूलन के वैश्विक आह्वान का प्रतीक है।**

Key Points:-

(i) नागासाकी शांति पार्क शांति-संबंधी कार्यक्रमों और स्मृति सभाओं के लिए एक केंद्रीय स्थल के रूप में कार्य करता है। दुनिया भर से पर्यटक और गणमान्य व्यक्ति इस वार्षिक समारोह में भाग लेते हैं, युद्ध के परिणामों पर विचार करते हैं और शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

(ii) 11 जुलाई से 17 अगस्त 2025 तक, टोक्यो स्थित संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय UNU ने "शांति के लिए प्रदर्शनी: हिरोशिमा-नागासाकी परमाणु बम विस्फोटों के 80 वर्ष" का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी में परमाणु युद्ध की भयावहता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए ऐतिहासिक अभिलेख, जीवित बचे लोगों के साक्ष्य और शैक्षिक प्रदर्शन प्रदर्शित किए

गए।

3. भारत छोड़ो आंदोलन दिवस 2025 8 अगस्त को 83वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया गया।

भारत छोड़ो आंदोलन दिवस, जिसे अगस्त क्रांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है, 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के शुभारंभ के उपलक्ष्य में 8 अगस्त को पूरे भारत में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में इस ऐतिहासिक आंदोलन ने ब्रिटिश सेनाओं की तत्काल वापसी की मांग करके भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- **प्रत्येक वर्ष 8 अगस्त को मनाया जाने वाला यह दिन 8 अगस्त 1942 को शुरू किए गए भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ का प्रतीक है।**
- **2025 में यह दिन आंदोलन के शुभारंभ की 83वीं वर्षगांठ होगी।**

Key Points:-

(i) यह आंदोलन अप्रैल 1942 में क्रिप्स मिशन की विफलता के कारण शुरू हुआ था, जिसका उद्देश्य द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय सहयोग प्राप्त करना था, लेकिन यह भारतीय आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रहा।

(ii) पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तावित और सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा समर्थित प्रस्ताव को 8 अगस्त 1942 को गोवालिया टैंक, बॉम्बे (अब मुंबई, महाराष्ट्र) में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक में आधिकारिक रूप से अनुमोदित किया गया था।

(iii) भारत छोड़ो आंदोलन: यह आंदोलन, जिसे भारत छोड़ो आंदोलन भी कहा जाता है, 9 अगस्त 1942 को ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा महात्मा गांधी सहित प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार करने के बाद शुरू हुआ।

DEFENCE

1. पारस डिफेंस ने भारत में सैटेलाइट एंटीना प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए जर्मन फर्म के साथ साझेदारी की।

7 अगस्त, 2025 को, भारत की अग्रणी रक्षा इंजीनियरिंग कंपनियों में से एक, पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने जर्मनी की हाई परफॉर्मेंस स्पेस स्ट्रक्चर सिस्टम्स GmbH (HPS GmbH) के साथ एक रणनीतिक टीमिंग समझौता किया।

- **यह सहयोग उन्नत उपग्रह अनुप्रयोगों के लिए तैनाती योग्य एंटीना रिफ्लेक्टर सबसिस्टम के संयुक्त विकास और आपूर्ति पर केंद्रित है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत भारत की स्वदेशी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।**

• यह समझौता दो वर्षों की प्रारंभिक अवधि के लिए हस्ताक्षरित किया गया है, जिसमें आपसी सहमति से विस्तार का प्रावधान है। यह समय-सीमा दोनों कंपनियों को विकास और उत्पादन के पहले चरण को क्रियान्वित करने की अनुमति देती है, साथ ही अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी निर्माण में दीर्घकालिक सहयोग की नींव भी रखती है। एक स्थानीयकृत उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करके, इस सहयोग का उद्देश्य घरेलू और संभावित निर्यात दोनों मांगों को पूरा करना है।

• इस साझेदारी का दायरा महत्वपूर्ण उपग्रह एंटीना घटकों के डिज़ाइन, विकास और आपूर्ति को कवर करता है। इनमें रिफ्लेक्टर और आर्म असेंबली, होल्ड-डाउन रिलीज़ मैकेनिज़्म (HDRMs), डिप्लॉयमेंट इलेक्ट्रॉनिक्स और थर्मल हार्डवेयर शामिल हैं, जो सभी बड़े डिप्लॉयेबल एंटीना सिस्टम के लिए आवश्यक हैं। ऐसे सिस्टम संचार, पृथ्वी अवलोकन और वैज्ञानिक अनुसंधान मिशनों के लिए उच्च-प्रदर्शन वाले उपग्रहों में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं।

Key Points:-

(i) जर्मनी स्थित हाई परफॉर्मेंस स्पेस स्ट्रक्चर सिस्टम्स GmbH, बड़े पैमाने पर तैनात किए जा सकने वाले एंटीना सिस्टम्स में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त अग्रणी कंपनी है। सटीक इंजीनियरिंग, हल्के वजन वाली सामग्रियों और तैनाती तंत्रों में इसकी विशेषज्ञता, पारस डिफेंस के विनिर्माण बुनियादी ढांचे और रक्षा प्रौद्योगिकी अनुभव का पूरक होगी, जिससे भारत में उच्च-गुणवत्ता वाली, अंतरिक्ष-स्तरीय प्रणालियों का निर्माण सुनिश्चित होगा।

(ii) यह रणनीतिक गठजोड़ आयातित उच्च-स्तरीय अंतरिक्ष हार्डवेयर पर निर्भरता कम करने के भारत के दीर्घकालिक उद्देश्य के अनुरूप है। जर्मन इंजीनियरिंग विशेषज्ञता को भारतीय विनिर्माण क्षमताओं के साथ जोड़कर, इस साझेदारी से वैश्विक उपग्रह प्रौद्योगिकी बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ने के साथ-साथ रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में तकनीकी आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को भी बल मिलने की उम्मीद है।

(iii) पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का भारत की रक्षा और अंतरिक्ष एजेंसियों को उन्नत इंजीनियरिंग समाधान प्रदान करने का एक उत्कृष्ट रिकॉर्ड रहा है। HPS GmbH के साथ इस सहयोग के माध्यम से, कंपनी का लक्ष्य अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करना, स्वदेशी क्षमता के विकास में योगदान देना और भविष्य की उपग्रह-आधारित परियोजनाओं के लिए नए रास्ते खोलना है।

Static GK

Indian Railways (IR)	मंत्री: अश्विनी वैष्णव	मुख्यालय: नई दिल्ली
United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (UNESCO)	महानिदेशक : ऑड्रे अज़ोले	मुख्यालय : पेरिस, फ्रांस
MoPSW	केंद्रीय मंत्री: सर्बानंद सोनोवाल	मुख्यालय: नई दिल्ली
Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI)	अध्यक्ष: पुण्य सलिला श्रीवास्तव	मुख्यालय: नई दिल्ली
DSP Mutual Fund	MD & CEO: कल्पेन पारेख	मुख्यालय: मुंबई
Poland	अध्यक्ष: करोल नवरोकी	आधिकारिक भाषा: पोलिश
Zomato	संस्थापक: दीपिंदर गोयल, आकृति चोपड़ा, पंकज चड्ढा, गुंजन पाटीदार	मुख्यालय: गुड़गांव, हरियाणा
the Athletics Federation of India (AFI)	अध्यक्ष: बहादुर सिंह सागू	मुख्यालय: नई दिल्ली
United Nations University (UNU)	मुख्य शैक्षणिक और प्रशासनिक अधिकारी (रेक्टर): त्शिलिद्ज़ी मारवाला	मुख्यालय: टोक्यो, जापान